भजन

तूं दूल्हा मैं तेरी दुल्हन
छोड़ा अपना वतन,धारे माया के तन
अब तड़प रही विरहिन

1– तन रूहों ने माया का धारण किया
संग रुहों के आप पधारे पिया
देकर इलम लुदन्नी जगाते हो तुम
आड़े आता है माया का तन

2– तन धनी ने भी माया का धारण किया
देखे अवगुण जिन्होंने ना कुछ ले सका
जिसने माया में रहकर के पहचान की
वो इत उत हैं धंन धंन

3– तन छोड़ के रूह यह निकलती नहीं
बंधी है हुकम की हिल सकती नहीं
डोरी हाथ में तेरे है मेरे पिया
तेरे चरणों में निकलेगा दम